पाक्षिक समाचार

सम्पर्क

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली

खण्ड–XXX अंक–3 15 फरवरी, 2025

सुनि समुझहिं जन मुदित मन मज्जहिं अति अनुराग।
लहहिं चारि फल अछत तनु साधु समाज प्रयाग।।

जो मनुष्य इस संत समाज रूपी तीर्थराज का प्रभाव प्रसन्न मन से सुनते और समझते हैं और फिर अत्यन्त प्रेमपूर्वक इसमें गोते लगाते हैं, वे इस शरीर के रहते ही धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष–चारों फल पा जाते हैं।

–श्रीरामचरितमानस, बालकाण्ड/2

स्वागत

स्थापना अनुभाग-II से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/ Estt.-2/2025/368023 दिनांक 11.02.2025 के अनुसार **श्री भानु प्रताप** ने 13.01.2025 से संस्थान में तकनीकी सहायक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। उन्हें तत्काल प्रभाव से सिविल इंजीनियरी विभाग में नियुक्त किया गया है।

फैकल्टी फोरम चुनाव–2024

प्रो. अनिल कुमार सरोहा, रिटर्निंग ऑफिसर से प्राप्त सूचना के अनुसार फैकल्टी फोरम में विभिन्न पदों के लिए निम्नलिखित सदस्यों को निर्वाचित घोषित किया गया है:

1. प्रो. एस. के. त्यागी (ऊर्जा विज्ञान और इंजीनियरी विभाग)	अध्यक्ष
2. प्रो. आर. एस. ढाका (भौतिकी विभाग)	उपाध्यक्ष
3. प्रो. त्रिलोक सिंह (ऊर्जा विज्ञान और इंजीनियरी विभाग)	सचिव
4. प्रो. धीरज प्रताप (प्रकाशिकी एवं फोटोनिक्स केंद्र)	कोषाध्यक्ष
5. डॉ. नीरज चौरसिया (केंद्रीय पुस्तकालय)	कार्यकारी सदस्य

कार्यालय आदेश

स्थापना अनुभाग-2 से प्राप्त कार्यालय आदेश सं. IITD/Estt.-2/2025/ 365538 दिनांक 03.02.2025 के अनुसार संस्थान हित में तत्काल प्रभाव से निम्नलिखित ग्रुप 'ए' अधिकारियों का स्थानान्तरण किया गया है :–

क्र.सं	अधिकारी का नाम, पदनाम	अनुभाग से	अनुभाग में
1.	श्री एन. भास्कर संयुक्त कुलसचिव	निदेशक कार्यालय + सर्तकता + शिकायत मामले	निदेशक कार्यालय + सर्तकता + शिकायत मामले+ प्रथम अपीलीय प्राधिकारी
2.	श्री देबरंजन मुखर्जी उप कुलसचिव	स्थापना अनुभाग-I + औ. अनु. एवं विकास (लेखा)	स्थापना अनुभाग-I + औ. अनु. एवं विकास (लेखा) + टिम्बल
3.	श्री संजय पाण्डेय उप कुलसचिव	स्थापना अनुभाग-II	स्थापना अनुभाग-II + प्रशिक्षण प्रकोष्ठ
4.	श्री शिव प्रकाश यादव जन सम्पर्क अधिकारी	जन सम्पर्क कार्यालय + प्रकाशन प्रकोष्ठ + आरटीआई प्रकोष्ठ (पीआईओ)	जन सम्पर्क कार्यालय + प्रकाशन प्रकोष्ठ + ट्रेवल डेस्क + स्वागत कक्ष
5.	श्री दीपक राजा सहायक कुलसचिव	विधि प्रकोष्ठ + ईआरपी + ई-ऑफिस	विधि प्रकोष्ठ + ईआरपी + ई-ऑफिस + समन्वय अनुभाग + पावती एवं प्रेषण एकक + आरटीआई प्रकोष्ठ (पीआईओ)

श्री देबरंजन मुखर्जी और श्री दीपक राजा अपने कर्तव्यों के अतिरिक्त डिजिटलीकरण का कार्य भी देखेंगे।

हिन्दी में कार्य को सुगम बनाने के लिए 'कंठस्थ'– स्मृति आधारित अनुवाद सॉफ्टवेयर

डॉ. नीरज चौरसिया
अध्यक्ष, हिन्दी कक्ष

1. परिचय

आज के डिजिटल युग में सूचना प्रौद्योगिकी (आई.टी.) ने कार्यक्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाया है। विभिन्न आई.टी. टूल्स और सॉफ्टवेयर के उपयोग से कार्यों को न केवल तेजी से बल्कि अधिक सटीकता और प्रभावशीलता के साथ संपन्न किया जा सकता है। इन टूल्स के माध्यम से विभिन्न उद्योगों, शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी संगठनों में उत्पादकता को बढ़ाया जा सकता है। सूचना प्रौद्योगिकी के बढ़ते प्रभाव ने राजभाषा हिन्दी में कार्य को अधिक सुगम और प्रभावी बना दिया है। विभिन्न आई.टी. टूल्स और सॉफ्टवेयर के माध्यम से हिन्दी में दस्तावेज तैयार करना, अनुवाद करना, टाइपिंग करना तथा सम्प्रेषण करना अत्यंत सरल हो गया है। हिंदी में कई सॉफ्टवेयर उपलब्ध हैं जैसे कि हिंदी इनपुट टूल, स्पेल चेकर, स्क्रिप्ट कन्वर्टर, हिंदी टेक्स्ट एनालिसिस, ऑप्टिकल कैरेक्टर रिकग्निशन, हिंदी ई–मेल और चैट या हिंदी भाषा के लिए नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग। हिंदी में कार्य करने को सरल और सहज बनाने के उद्देश्य से राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा कई सॉफ्टवेयर/टूल्स उपलब्ध कराये हैं, जिसमें से 'कंठस्थ'– मेमोरी आधारित अनुवाद सिस्टम (https://kanthasth.rajbhasha.gov.in/), हिंदी शब्द सिंधु – हिंदी शब्दकोश (https://hindishabdsindhu.rajbhasha.gov.in/), हिंदी स्वयं शिक्षण–लीला–प्रबोध, प्रवीण तथा प्राज्ञ (https://lilappp.rb-aai.in/#!), लीला हिंदी प्रवाह (https://lilahindipravah.rb-aai.in/#!), ई–सरल हिंदी वाक्यकोश (https://narakas.rajbhasha.gov.in/saral/saral2.php, आदि प्रमुख हैं। इनमें से एक महत्वपूर्ण मशीन साधित अनुवाद सॉफ्टवेयर 'कंठस्थ' है जिसे राजभाषा विभाग ने सी–डैक, पुणे की मदद से विकसित किया, इसका विवरण यहाँ प्रस्तुत किया जा रहा है। 'कंठस्थ' का प्रयोग करके हिन्दी अनुवाद को सुगम बनाया जा सकता है। 'कंठस्थ', ट्रांसलेशन मेमोरी (टी.एम.) तथा न्यूरल मशीन ट्रांसलेशन पर आधारित मशीन साधित अनुवाद सिस्टम है। इस अनुवाद सिस्टम से अनुवाद की प्रक्रिया में सहायता मिलती है। स्मृति आधारित इस अनुवाद सिस्टम की मुख्य विशेषता यह है कि इसमें यूजर द्वारा किए गए अनुवाद कार्य को संगृहीत किया जाता है जिसे किसी नई फाइल के अनुवाद के लिए पुनः प्रयोग किया जा सकता है। यदि अनुवाद की नई फाइल का वाक्य टी.एम. के डाटाबेस से पूर्णतः अथवा आंशिक रूप से मिलता है तो यह सिस्टम उस वाक्य के अनुवाद को टी.एम. से खोज कर लाता है। यदि वाक्य का अनुवाद डेटाबेस में नहीं तो यह न्यूरल मशीन ट्रांसलेशन की सहायता से उस वाक्य का अनुवाद उपलब्ध करवाता है।

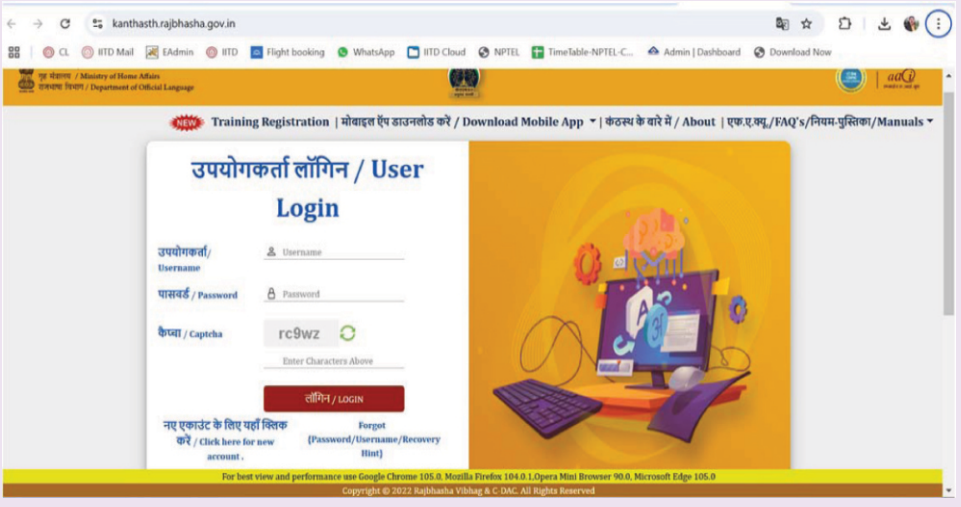

स्रोत : https://kanthasth.rajbhasha.gov.in/

राजभाषा विभाग द्वारा तकनीकी की सहायता से अनुवाद के क्षेत्र मे तेजी लाने के लिए अगस्त 2018 में मॉरीशस मे आयोजित विश्व हिन्दी सम्मेलन के अवसर पर स्मृति आधारित अनुवाद टूल 'कंठस्थ' का लोकार्पण माननीय केंद्रीय गृह राज्य मंत्री द्वारा किया गया। वर्तमान आवश्यकताओं को देखते हुए राजभाषा विभाग द्वारा इसका उन्नत संस्करण 'कंठस्थ 2.0' (https://kanthasth.rajbhasha.gov.in/) विकसित किया गया है जिसका विवरण यहाँ प्रस्तुत किया जा रहा है। 'कंठस्थ 2.0' का मोबाइल संस्करण Adroid और iOS के लिए भी उपलब्ध है।

2. 'कंठस्थ 2.0' में प्रयोग किए जाने वाले मुख्य शब्द

कंठस्थ 2.0 में प्रयोग किए जाने वाले मुख्य शब्द व उनका विवरण निम्नानुसार है :

1. ट्रांसलेशन मेमोरी (TM)– ट्रांसलेशन मेमोरी वस्तुतः एक डेटा बेस है जिसमें स्रोत भाषा के वाक्यों एवं लक्षित भाषा में उन वाक्यों के अनूदित रूप को एक साथ रखा जाता है। यह दो प्रकार की होती है :

लोकल टी.एम.– यूजर के लॉगिन पर जो टी.एम. बनती है उसे लोकल टी.एम. कहते हैं। यह प्रोजेक्ट तथा फोल्डर के आधार पर संग्रहीत होती है तथा प्रत्येक यूजर की अपनी अपनी TM होती है। अनुवाद के लिए सिस्टम का निरंतर प्रयोग करते रहने से टी.एम. का डेटा बेस बढ़ता रहता है।

ग्लोबल टी.एम.– ग्लोबल टी.एम., कंठस्थ 2.0 के सैंट्रल सर्वर पर संगृहीत होती है। इसी टी.एम. को ग्लोबल डेटा बेस भी कहते है। ग्लोबल टी.एम. प्रत्येक यूजर के लिए अप्रत्यक्ष रूप से उपलब्ध रहती है।

2. पूर्णतः मिलान– जिन वाक्यों का अनुवाद करते समय सिस्टम पूर्णतः मिलान दिखाता है उन वाक्यों का स्कोर 100 आता है। इसका अर्थ यह है कि इस वाक्य का अनुवाद 100% सही है।

3. आंशिक मिलान– जिन वाक्यों का 100% मिलान नहीं होता है परंतु 1% से 99% तक के मध्य का मिलान उपलब्ध होता है तो उसे Fuzzy Match या आंशिक मिलान कहते है। इस मिलान के प्रतिशत को यूजर कम या ज्यादा भी कर सकते हैं अथवा इसे हटा भी सकते है।

4. NMT (न्यूरल मशीन ट्रांसलेशन) जब किसी वाक्य का अनुवाद ग्लोबल या लोकल टी. एम. से प्राप्त नहीं होता है तो यह न्यूरल मशीन ट्रांसलेशन की सहायता से उस वाक्य का अनुवाद उपलब्ध करवाता है।

5. स्रोत भाषा– जिस भाषा में फाइल अनुवाद के लिए अपलोड की जाती है उसे स्रोत भाषा या Source Language कहते हैं। कंठस्थ 2.0 पर हिन्दी तथा अँग्रेजी भाषा की फाइलें अनुवाद के लिए अपलोड की जा सकती हैं।

6. लक्षित भाषा– जिस भाषा में फाइल का अनुवाद किया जाता है उस भाषा को लक्षित भाषा या Target Language कहते हैं।

7. मेन्यू बार– कंठस्थ 2.0 के लॉगिन के बाद होम पेज पर ऊपर मध्य से दाहिनी ओर तक 08 बटनों का एक समूह है जिसे मेन्यू बार कहते हैं। इसमें Ins Trans, Notification, Show TM, Analysis, Report, Dictionary, Feedback तथा Logout के बटन उपलब्ध हैं।

8. टूल बार– यह हर पेज पर अलग अलग बटनों के साथ उपलब्ध है। जैसे होमपेज पर 02 टूल बटन, प्रोजेक्ट पेज पर 03 टूल बटन तथा फोल्डर पेज पर 11 टूल बटन के साथ उपलब्ध है।

9. एडिटर पेज– जिस पेज पर फाइल का अनुवाद कार्य किया जाता है उस पेज को एडिटर पेज कहते हैं यह किसी भी फाइल को डबल क्लिक करने पर खुल जाता है।

3. 'कंठस्थ 2.0' की कार्यप्रणाली

ट्रांसलेशन मेमोरी (टी.एम.) मशीन–साधित अनुवाद प्रणाली का एक भाग है जिससे अनुवाद की प्रक्रिया में सहायता मिलती है। ट्रांसलेशन मेमोरी वस्तुतः एक डेटाबेस है जिसमें स्रोत भाषा (Source language) के वाक्यों एवं लक्षित भाषा (Target language) में उन वाक्यों के अनुवादित रूप को एक साथ रखा जाता है। ट्रांसलेशन मेमोरी पर आधारित इस सिस्टम की मुख्य विशेषता यह है कि इसमें अनुवादक पूर्व में किए गए अनुवाद को किसी नई फाइल के अनुवाद के लिए पुनः प्रयोग कर सकता है। यदि अनुवाद की नई फाइल का वाक्य टी.एम. के डेटाबेस से पूर्णतः अथवा आंशिक रूप से मिलता है तो यह सिस्टम उस वाक्य के अनुवाद को टी.एम. से लाता है।

ट्रांसलेशन मेमोरी डेटाबेस बनाने के लिए स्रोत भाषा के वाक्यों एवं लक्षित भाषा में उनके अनुवादित वाक्यों का विश्लेषण किया जाता है। अनुवाद के लिए सिस्टम का निरंतर प्रयोग करते रहने से टी.एम. का डेटाबेस उतरोत्तर बढ़ता रहता है।

टी.एम. का डेटाबेस दो प्रकार का होता है: ग्लोबल ट्रांसलेशन मेमोरी (जी.टी.एम.) तथा लोकल ट्रांसलेशन मेमोरी (एल.टी.एम.)। एल.टी.एम. प्रत्येक अनुवादक के कम्प्यूटर पर अलग–अलग होती है, जबकि जी.टी.एम. एक सामूहिक डेटाबेस है जोकि राजभाषा विभाग के सर्वर पर उपलब्ध है। परीक्षण के पश्चात् विभिन्न एल.टी.एम. जी.टी.एम. का भाग बन जाती हैं।

ट्रांसलेशन मेमोरी पर आधारित यह सिस्टम भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अधीन राजभाषा विभाग के लिए विकसित किया गया है। इस सिस्टम के माध्यम से अंग्रेजी से हिंदी तथा हिंदी से अंग्रेजी में अनुवाद संभव है।

'कंठस्थ 2.0' पर अनुवाद करने के लिए निम्नलिखित प्रक्रिया को अपनाया जाना चाहिए –

'कंठस्थ 2.0' पर कार्य करने के लिए सर्वप्रथम हमे 'कंठस्थ 2.0' पर पंजीकरण कर अपना यूजर आईडी तथा पासवर्ड बनाना होता है। इसके बाद लॉगिन किया जाता है।

लॉगिन के बाद होम पेज पर दो बार (एक मेन्यू बार तथा दूसरा टूल बार) दिखाई देते हैं।

टूल बार की सहायता से प्रोजेक्ट बनाना होता है। प्रोजेक्ट बनाने के बाद फोल्डर बनाया जाता है तथा फोल्डर बनाते समय ही उसमें फाइल को अनुवाद के लिए अपलोड कर दिया जाता है।

फाइल पर डबल क्लिक कर एडिटर पेज पर अनुवाद कार्य किया जाता है।

4. 'कंठस्थ 2.0' के कुछ महत्वपूर्ण बिन्दु

कंठस्थ 2.0 के कुछ महत्वपूर्ण बिन्दु निम्नानुसार हैं –

डेटा को राजभाषा विभाग द्वारा NIC के सर्वर पर Encrypted रूप में संगृहीत किया जाता है।

वर्तमान संस्करण में 20MB तक की फाइल को अपलोड करने तथा फाइल को विभाजित करने की सुविधा भी है।

कंठस्थ सर्वर के माध्यम से तथा ई–मेल द्वारा फाइल को शेयर किया जा सकता है।

यूजर द्वारा स्वयं की TM को बनाना अपनी TM को शेयर तथा डाउनलोड करने की सुविधा उपलब्ध है।

यह सिस्टम यूजर द्वारा अनुवाद के समय सर्वप्रथम अपनी TM से मिलान उपलब्ध करने तथा Doc, docx तथा excel की फाइलों को फॉर्मेट रिबिल्ड की सुविधा भी प्रदान करता है।

केंद्र सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों तथा राष्ट्रीयकृत बैंकों के चयनित अधिकारियों को ग्लोबल डेटा मे डेटा भेजने की सुविधा उपलब्ध कराता है।

यह सिस्टम वाक्यांश को खोजने, फाइल का विश्लेषण जिसमें पूर्ण एवं आंशिक रूप से मिले हुए वाक्यों की संख्या, कुल वाक्यों की संख्या, कुल शब्दों की संख्या तथा अनूदित फाइल का प्रतिशत आदि बताने में भी सक्षम है।

यूजर को द्विभाषिक फाइल को डाउनलोड करने, एक समय–विशेष में बनाए गए प्रोजेक्ट तथा अनुवाद की गई फाइलों की रिपोर्ट प्राप्त करने की सुविधा भी देता है ।

इस सिस्टम में प्रोजेक्ट, फोल्डर तथा फाइल बनाने/अन्य कंप्यूटर से प्राप्त करने/अन्य कंप्यूटर पर भेजने तथा विभिन्न फॉर्मेट जैसे txt., .doc, .dot, .docx, .xls, .xlsx, .pdf (readable), .rtf आदि को अनुवाद के लिए अपलोड करने की सुविधा है।

स्मार्ट चैटबॉट (Smart Chatbot), त्वरित अनुवाद (Instant translation), न्यूरल मशीन ट्रांसलेशन का विकल्प, ओटोमैटिक स्पीच रिकॉग्निशन, विभिन्न फाइल–एक्सटेंशन/फॉर्मेट (36 प्रकार) का समर्थन तथा गुणवत्ता जाँच जैसे महत्वपूर्ण सुविधाएं प्रदान करता है।

5. उपसंहार

आई.टी. टूल्स और सॉफ्टवेयर आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में अत्यंत महत्वपूर्ण हो गए हैं। इनकी सहायता से न केवल कार्य को सरल और प्रभावी बनाया जा सकता है, बल्कि व्यवसायों और संगठनों की उत्पादकता में भी वृद्धि होती है। भविष्य में, उन्नत प्रौद्योगिकियों जैसे कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के एकीकरण से कार्य प्रक्रियाएं और अधिक सुगम और स्वचालित हो जाएंगी। विभिन्न भाषाओं से हिन्दी में अनुवाद करने के लिए अनेक अनुवाद सॉफ्टवेयर जैसे गूगल ट्रांसलेट, माइक्रोसॉफ्ट ट्रांसलेटर, अनुवादक.कॉम जैसे कई प्रभावी ऑनलाइन टूल अनुवाद के लिए उपलब्ध है। 'कंठस्थ' एक स्मृति आधारित अनुवाद सॉफ्टवेयर है तथा ट्रांसलेशन मेमोरी का इस्तेमाल करते हुये अनुवाद करने में मदद करता है। यह पहले से किए गए अनुवाद का किसी नई फाइल के अनुवाद के लिए दोबारा इस्तेमाल करता है साथ ही अंग्रेजी से हिन्दी या हिन्दी से अंग्रेजी अनुवाद की प्रक्रिया को आसान बनाता है। अनुवाद करने के लिए दूसरी भाषा के शब्दों का इस्तेमाल करता है तथा कुछ शब्दों को ज्यों के त्यों अंग्रेजी से हिन्दी में बदल देता है। यह सॉफ्टवेयर, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा मुफ्त में उपलब्ध कराया जाता है।

स्मृति आधारित अनुवाद सॉफ्टवेयर/टूल 'कंठस्थ 2.0' की ग्लोबल अनुवाद डाटाबेस को सुदृढ़ करने के लिए राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है ताकि इस सॉफ्टवेयर को और भी सुदृढ़ किया जा सके। संस्थान का हिन्दी कक्ष भी समय–समय पर इसके प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए कार्यशालाओं और प्रशिक्षणों का आयोजन भी कर रहा है। इस लेख को तैयार करने में https://rajbhasha.gov.in/ और https://kanthasth.rajbhasha.gov.in/ को संदर्भित किया गया है। लेख का मुख्य उदेश्य राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा तैयार किए गए अनुवाद सॉफ्टवेयर/टूल ''कंठस्थ 2.0'' के बारे में सभी को अवगत कराना तथा इसके प्रयोग को बढ़ावा देना है।

संदर्भ :

1. https://rajbhasha.gov.in/
2. https://kanthasth.rajbhasha.gov.in/

श्री गोपी कीर्तन महिला मंडल (पंजीकृत)

श्री गोपी कीर्तन महिला मंडल (पंजीकृत) की वार्षिक आम सभा की बैठक दिनांक 24.11.2024, (रविवार) को सुबह 11.00 बजे श्रीमती राज कौशिक जी की अध्यक्षता मे संपन्न हुई, जिसमें निम्नलिखित नई कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से चयन किया गया।

पदाधिकारी

प्रधान	:	श्रीमती अंजू खट्टर
उप प्रधान	:	श्रीमती तान्या बुंदेला
सचिव	:	श्रीमती नीलम तोमर
सह सचिव	:	श्रीमती सोनी गुप्ता
कोषाध्यक्ष	:	श्रीमती यशोदा रानी
लेखा परीक्षक	:	श्रीमती मीना चौधरी

कार्यकारिणी के सदस्य

श्रीमती सुशेसिनी राव, श्रीमती निर्मल, श्रीमती ओमवती, श्रीमती ब्रिजेश दहिया श्रीमती रश्मि तेवतिया, श्रीमती ललिता सिंह, श्रीमती निधि त्रिपाठी, श्रीमती विजया, श्रीमती उषा परिहार, श्रीमती श्वेता, श्रीमती ऋतु, श्रीमती मुस्कान योगी

विशेष आमंत्रित सदस्यः- आई.आई.टी. परिसर में रहने वाली एवं संस्थान से रिटायर हुई समस्त सम्माननीय सखियां।

स्वामी विवेकानंद

यदि कोई यह पूछे कि वह कौन युवा संन्यासी था, जिसने विश्वपटल पर भारत और सनातन धर्म की पताका फहराई, तो निस्संदेह स्वामी विवेकानंद का नाम ही आएगा।

विवेकानंद को शिकागो में होने जा रहे विश्व धर्म सम्मेलन का पता लगा। उनके कुछ शुभचिंतकों ने धन का प्रबंध कर दिया और वे शिकागो जा पहुंचे। शिकागो का सम्मेलन वस्तुतः दुनिया में ईसाइयत की जयकार गुंजाने का षड्यंत्र मात्र था। इसलिए विवेकानंद को बोलने के लिए सबसे अंत में कुछ मिनट का ही समय मिला पर उन्होंने अपने पहले ही वाक्य 'अमेरिकावासी भाइयों और बहनों' कहकर सबका दिल जीत लिया। तालियों की गड़गड़ाहट से सभागार गूंज उठा। यह 11 सितंबर, 1893 का दिन था। उनका भाषण सुनकर लोगों के भ्रम दूर हुए। इसके बाद वे अनेक देशों के प्रवास पर गए। इस प्रकार उन्होंने सर्वत्र हिंदू धर्म की विजय पताका लहरा दी। भारत लौटकर उन्होंने रामकृष्ण मिशन की स्थापना की, जो आज भी विश्वभर में वेदांत के प्रचार में लगा है। युवाओं को कर्मयोग की शिक्षा देने वाले स्वामी विवेकानंद की जन्मजयंती भारत में राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाई जाती है।

–दैनिक जागरण
दिनांक 1 जनवरी, 2025

संविधान भी एक सफर है

प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक श्याम बेनेगल के द्वारा ''संविधान भी एक सफर है'' टी.वी. सीरियल के 10 एपिसोड 8 वर्ष पहले राज्य सभा चैनल पर प्रसारित हुए थे। यह टी.वी. सीरियल यू.ट्यूब लिंक–http://you.tube/0U9KDQnIsNK पर भी उपलब्ध है। कृपया समय निकाल कर इनको देखने का प्रयास अवश्य करें।

हिन्दी कक्ष द्वारा सम्पादित एवं प्रकाशित दूरभाषः EPABX 7144

मुद्रकः सागर प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, नई दिल्ली। ई–मेलः sagarprinters@gmail.com